Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

M.A. Previous Hindi

Subject: I- प्राचीन एवं मध्यकालीन–काव्य　　　　Maximum Marks : 30

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय प्रश्नपत्र –प्रथम

Q1　''पृथ्वीराजरासों'' की संक्षेप में विशेषताऍ लिखिए।

Q2　कबीर–काव्य में अभिव्यक्त अन्ध–विश्वास पर हुए कटाक्ष को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

Q3　भ्रमरगीत सार में गोपियों की मार्मिक विरह–विह्लता पर प्रकाश डालिए।

Q4　'नागमती' पद्मावत में सूफीमत के अनुसार किस का प्रतीक है, उसके संबंध में स्पष्ट अवधारणा लिखिए।

Q5　घनान्द–काव्य में सुजान का उल्लेख किस रूप में किया गया है– अपना मत सोदाहरण प्रकट कीजिए।

Q6　उत्तरकाण्ड के महत्व पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय प्रश्नपत्र –द्वितीय

Q1　रासो–परम्परा में पृथ्वीराज का स्थान निरूपित कीजिए।

Q2　कबीर के राम के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Q3　सिंहलद्वीप वर्णन में जायसी के मत को संक्षेप में लिखिए।

Q4　भ्रमरगीत सार में गोपियों का कृष्ण के प्रति अनन्य अनुराग अभिव्यक्त हुआ है– स्पष्ट कीजिए।

Q5　'उत्तरकाण्ड' में कवि तुलसीदास समाज को क्या बताना चाहते हैं– अपने शब्दों में लिखिए।

Q6　'घनान्द के काव्य में विरह चरमोत्कर्ष रूप है'– कथन की समीक्षा कीजिए।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

M.A. Previous Hindi

Subject: II- काव्यशास्त्र एवं साहित्य–सिद्धांत Maximum Marks : 30

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय प्रश्नपत्र –प्रथम

Q1 काव्य लक्षणों को परिभाषित कीजिए।
Q2 काव्य के प्रकार लिखिए।
Q3 रस निव्यत्ति की विवेचना कीजिए।
Q4 अंलकारों का वर्गीकरण करते हुए, उसे परिभाषित कीजिए एवं उदाहरण भी दीजिए।
Q5 रीति की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
Q6 वकोक्ति सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
Q7 अभिव्यंजनावाद पर टिप्पणी लिखिए।
Q8 अरस्तू के विवेचन–सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
Q9 ''निर्वेयाक्तिता के सिद्धांत'' की विवेचना कीजिए।
Q10 मनोविश्लेषणवाद पर टिप्पणी लिखिए।

सत्रीय प्रश्नपत्र –द्वितीय

Q1 काव्य–प्रयोजन पर विचार कीजिए।
Q2 रस के अंगों की विवेचना कीजिए।
Q3 वकोक्ति के भेद लिखिए।
Q4 ध्वनि की प्रमुख स्थापनाएॅं लिखिए।
Q5 औचित्य के भेद लिखिए।
Q6 प्लेटो के काव्य–सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
Q7 उदान्त की अवधारणा पर विचार कीजिए।
Q8 ''संवेगों का सन्तुलन'' विषय पर टिप्पणी लिखिए।
Q9 मार्क्सवाद की विवेचना कीजिए।
Q10 उत्तर आधुनिकतावाद पर टिप्पणी लिखिए।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

M.A. Previous Hindi

Subject: III- हिन्दी साहित्य का इतिहास Maximum Marks : 30

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय प्रश्नपत्र –प्रथम

Q1 विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किये गये हिन्दी–साहित्य के काल–विभाजन का विवेचन कीजिये। आचार्य रामचन्द्र शुक्त द्वारा प्रस्तुत काल–विभाजन और कालों के नामकरण की उपयुक्तता पर तर्क संगत ढ़ंग से विचार कीजिए।

Q2 निर्गुण काव्यधारा की ज्ञानाश्रयी–शाखा के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए और इसमें कबीर के योगदान का मूल्यांकन कीजिये।

Q3 रीतिकाल नाम का औचित्य सिद्ध करते हुए रीतिकाल की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

Q4 आधुनिक–काल की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए, इस काल का नामकरण तथा सामान्य प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिये।

Q5 'प्रगतिवाद' अथवा 'प्रयोगवाद' की प्रमुख विशेषतायें बताते हुये किसी एक विचारधारा के प्रमुख कवि का साहित्यिक महत्व निरूपित कीजिए।

सत्रीय प्रश्नपत्र –द्वितीय

Q1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा पर प्रकाश डालिए।

Q2 आदिकालीन–साहित्य का परिचय देते हुए उसकी साहित्यिक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

Q3 रीतिमुक्त कवियों का परिचय प्रस्तुत करते हुये उनके काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये।

Q4 'हिन्दी–साहित्य के आधुनिक काल की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि' पर एक निबंध लिखिये।

Q5 'रेखाचित्र' अथवा 'संस्मरण' को परिभाषित करते हुए, उनके उद्‌भव और विकास पर एक निबंध लिखिये।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal
M.A. Previous Hindi

Subject: IV- विशेष कवि का अध्ययन (सूरदास अथवा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

Maximum Marks : 30

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय प्रश्नपत्र –प्रथम

Q1 'सूर जन्मांध थे अथवा नहीं' युक्तियुक्त विवेचना कीजिए। **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

Q2 वात्सल्य–रस की दृष्टि पर सूर की कविता का आकलन कीजिए। **अथवा** निराला के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां–रेखांकित कीजिए।

Q3 भ्रमरगीत प्रसंग का महत्व निरूपित कीजिए। **अथवा** निराला के काव्य में प्रगतिवादी तत्वों की व्याख्या कीजिए।

Q4 भक्तिकालीन कवियों में सूर का स्थान निर्धारित कीजिए। **अथवा** मुक्त छन्द के सन्दर्भ में निराला के विचारों की समीक्षा कीजिए।

Q5 'कृष्णभक्त कवियों में सूरदास का वैशिष्टय' विषय पर सारगर्भित लेख लिखिए। **अथवा** प्रगतिवादी काव्य–परम्परा में निराला का स्थान बताइए।

Q6 ब्रजभूषण काव्य में लालित्य तत्व पर प्रकाश डालते हुए, सूरदास के पदों की समीक्षा कीजिए। **अथवा** छायावाद के आधार स्तम्भ के रूप में निराला का योगदान लिखिए।

सत्रीय प्रश्नपत्र –द्वितीय

Q1 सूरदास का जीवन वृत्त संक्षेप में लिखिए। **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का जीवन–परिचय दीजिए।

Q2 सूरदास के वात्सल्य –वर्णन पर एक लेख लिखिए। **अथवा** निराला की काव्यगत विशेषताऐं बताइए।

Q3 सूरदास की काव्यकला पर प्रकाश डालिए। **अथवा** निराला की रचनाओं का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

Q4 सूरदास की भक्ति–भावना की विशेषताऐं, बताइए। **अथवा** निराला के काव्य में छायावादी प्रवृत्तियॉ लिखिए।

Q5 भ्रमरगीत में वर्णित विरह व्यंजना पर लेख लिखिए। **अथवा** निराला कृत 'राम की शक्तिपूजा' का सारांश लिखिए।

Q6 अष्टछाप के कवियों में सूरदास का स्थान बताइए। **अथवा** 'हिन्दी काव्य को निराला का प्रदेय' विषय पर निबंध लिखिए।